नस्ती क्रमांक 04/संचालक/2016-17

उच्च शिक्षा
उत्कृष्टता संस्थान

(नोडल संस्था)

विषय:- (प्रदेश के चुनिन्दा कॉलेजो की राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थाओ से साझेदारी की योजना)
Cluster for Enhancing Quality through Innovation and Collaboration (CEQIC)

पृ. संख्या (1)

कार्यशाला दिनांक 23-09-2016 का कार्यवाही विवरण

दिनांक 23.09.16 को उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थानों की साझेदारी योजना (CEQIC) में म.प्र. के चयनित 12 महाविद्यालायों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री उमाकान्त उमराव, आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन द्वारा किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता अतिरिक्त संचालक, (उज्जैन संभाग) डॉ0 उषा श्रीवास्तव द्वारा की गई। इस कार्यशाला में उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त प्रतिनिधि डॉ0 अनिल पाठक, संस्थान के संचालक डॉ0 एम.एल. नाथ एवं सदस्य महाविद्यालयों के प्राचार्य तथा एक-एक नोडल अधिकारी एवं नोडल समिति के सदस्य उपस्थित हुए। इस एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन 02 सत्रों में किया गया। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले सदस्यों की सूची निम्नवत् है :-

S.	Name of Participant	Designation	Name of College
1	2	3	4
1	Dr. O.N. Choubey	Principal	Govt. Narmada P.G. College Hosangabad
2	Dr. Ela Tiwari	Professor	Govt. Autonomous Girls College of Excellence, Sagar
3	Dr. A.L. Mahobia	Principal	Govt. Science College Jabalpur
4	Dr. Sanjay K. Awasthi	Asstt. Professor	Govt. Model Science College, Jablpur
5	Dr. Ashok Sachdeva	Associate Professor	MJB Govt. Girls P.G. College, Indore
6	Dr. Madhuri Pateriya	Acting Principal	MJB Govt. P.G. Girls College Motitabela, Indore
7	Dr. Santosh K. yadav	Professor	Sarojini Naidu Govt. Girls P.G. College, Bhoapl
8	Dr. Pratibha Singh	Professor	Sorojini Naidu Govt. Girls P.G. College Bhopal
9	Dr. Rajendra Chaturvedi	Professor	Govt. T.R.S. College, Rew (MP)
10	Dr. Bhoopendra K. Singh	Astt. Professor	Govt. T.R.S. College, Rew (MP)
11	Dr. K.N. Chaturvedi	Principal	Govt. Holkar (Model Autonomous college, Indore
12	Prof. Sanjay Swarnkar	Professor	Govt.K.R.G. P.G. Auto. College, Gwalior
13	Dr. Usha Shrivastava	Principal	Govt. Madhav Sc. P.G. College Ujjain
14	Dr. Kalpana Virendra Singh	Astt. Professor	Govt. Madhav Sc. P.G. College Ujjain
15	Dr. Kaushalendra Kumar	Astt. Professor	Pt.S.N. Shukla Govt. P.G.College Shahadol
16	Dr. Sudhir Dixit	Astt. Professor	Govt. Narmada P.G. College Hosangabad
17	Dr. L.L. Kori	Principal	Govt. Maharaja P.G.College Chhatarpur
18	Dr. H.C.Nayak	Asst. Professor	Govt. Maharaja PG College Chhatarpur
19	Dr. Vipul Keerti Sharma	Professor	Govt. Holkar Sc. College Indore

निरंतर-- 2

प्रथम सत्रः

कार्यशाला का प्रथम सत्र सुबह 11:00 बजे प्रारम्भ हुआ। सरस्वती वन्दना तथा दीप प्रज्जवलन के पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। संस्थान के संचालक डॉ0 एम.एल.नाथ ने कार्यशाला का उदेश्य एवं योजना से संबंधित जानकारी प्रतिभागियों को दी तत्पश्चात् डॉ0 अनिल पाठक द्वारा क्लस्टर योजना के बारे में बताया कि राज्य शासन के दृष्टि पत्र 2018 में इस योजना को रखा गया है। जिसमें राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय संस्थाओं से साझेदारी करना इस योजना का मुख्य लक्ष्य है। पूर्व में दिनांक 27.09.14 को शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय, इन्दौर में प्रथम कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में सदस्य महाविद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न गतिविधियों के संचालन हेतु 05 समूह बनाए गए थे एवं इन समूहों को योजना के उदेश्यों के प्रतिपूर्ति हेतु कार्य आवंटित किए गए थे।

संस्थान में आयोजित इस कार्यशाला में सदस्य महाविद्यालयों द्वारा विगत् 02 वर्षो में की गई गतिविधियों का प्रगति प्रतिवेदन पावर पॉइन्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस सत्र में सदस्य महाविद्यालयों से आए प्रतिनिधियों की परिचर्चा भी आयोजित की गई। इस परिचर्चा में निम्नानुसार सदस्यों द्वारा विचार व्यक्त किए गए। सर्वप्रथम शा0 होल्कर विज्ञान महाविद्यालय, इन्दौर के प्राचार्य डॉ0 के.एन. चतुर्वेदी ने अपने विचार रखें :–

1– उन्होने सदस्य महाविद्यालय की प्रयोगशालाओं में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने की सलाह दी साथ ही उन्होने स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को भी शोध संगोष्ठीयों में भागिदारी करने की अनुमति देने पर जोर दिया। डॉ0 के.एन. चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थानों से साझेदारी करने में होने वाले कठिनाईयों का शासन स्तर पर निवारण करने हेतु अनुरोध किया एवं साझेदारी पत्र को एकरूपता प्रदान करने हेतु सुझाव दिया।

2– टी.आर.एस. महाविद्यालय से डॉ0 राजेन्द्र चतुर्वेदी ने यह अवगत करवाया कि वे हिन्दी एवं राजनीतिशास्त्र में सेमीनार करवाने के इच्छुक है। तथा इलाहाबाद विश्व विद्यालय से उनका एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया जा चुका है।

3– जबलपुर विज्ञान महाविद्यालय से डॉ0 संजय अवस्थी ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं क्लस्टर की गतिविधियों को ऑनलाइन पोर्टल पर निरन्तर दर्ज किए जाने का प्रस्ताव रखा जिससे साझेदारी बढ़ सकें। एवं शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यो से मुक्त किए जाने की अनुशंसा की।

4– शासकीय कन्या महाविद्यालय, सागर से डॉ0 ईला तिवारी ने स्नातकोत्तर छात्रों को छोटे रिसर्च प्राजेक्ट किए जाने पर बल दिया तथा रिसर्च गतिविधियों में छात्रों का आदान प्रदान बढ़ाने पर बल दिया।

5– छतरपुर महाविद्यालय के डॉ0 एस.सी.नायक ने क्लस्टर गतिविधियों के संचालन हेतु अतिरिक्त बजट की मांग रखी।

निरंतर...3

6– जीजाबाई शा0 महाविद्यालय, इन्दौर के डॉ0 अशोक सचदेवा ने यह अवगत कराया कि अर्न्तराष्ट्रीय संस्थाओं से साझेदारी हेतु प्राध्यापकों को विदेशों में होने वाले सेमीनार हेतु शासन द्वारा समय पर अनुमति प्राप्त हो जिससे यह योजना अर्न्तराष्ट्रीय स्तर तक पहुँच सकेगी।

7– शासकीय कमलाराजे महाविद्यालय ग्वालियर से डॉ स्वर्णकार ने मेजर प्रोजेक्टस एवं क्लस्टर के विषयविशेषज्ञो के संबन्ध में होने वाली कठिनाईयों से अवगत करवाया। उन्होने एक निश्चित अन्तराल पर इस तरह की कार्यशाला के निरन्तर आयोजन का सुझाव दिया।

8– शासकीय महाविद्यालय शहडोल के डॉ0 कौशलेन्द्र कुमार ने सुझााव दिया कि क्लस्टर से जुड़े महाविद्यालयों में सभी पद शासन द्वारा भरे जाए जिससे योजना सुचारू रूप से संचालित हो सके।

9 शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन से डॉ0 कल्पना सिंह ने महाविद्यालय द्वारा किए गए एम.ओ.यू. की जानकारी दी। उन्होने ई लर्निंग पर पर किए गए कार्य जैसे PURE, INSPIRE, SKYPE-E CONFERENCE का विवरण दिया जिसे आयुक्त महोदय द्वारा सराहा गया।

द्वितीय सत्रः

द्वितीय सत्र में भोजन उपरान्त सभी महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने आयुक्त महोदय के सम्मुख पावरपाइन्ट प्रदर्शन के द्वारा अपने कार्य एवं भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत किया। तत्पश्चात आयुक्त महोदय द्वारा उद्बोधन दिया गया जिसमें उन्होने सभी महाविद्यालयों द्वारा की गई प्रस्तुति की विवेचना की एवं उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल, माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर के कार्यो की प्रशंसा की। आयुक्त महोदय ने बिन्दूवार इस योजना के आगामी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निम्न लिखित सुझाव दिए :

1. क्लस्टर के महाविद्यालयों द्वारा साझेदारी करने हेतु अपने विशिष्ट क्षेत्रों का चुनाव किया जाना आवश्यक है।
2. इन विशिष्ट क्षेत्रों में किन संस्थाओं से साझेदारी किस प्रकार की जाएगी यह भी सुनिश्चित किया जाए।
3. एक्सचेंज प्रोग्राम एक निश्चित रूपरेखा के तहत विशिष्टता प्रदान करने हेतु किया जाए।
4. पाठ्क्रमों की विषयवस्तु को समसामयिक करने का सुझाव दिया जिससे छात्र छात्राऍ अधिक लाभान्वित हो सकें।
5. महाविद्यालयों की आधारभूत संरचना का अधिकतम उपयोग किया जाना सुनिश्चित करें जिनमें संस्थानों के पुस्तकालयों के स्तर का निरन्तर उन्नयन किया जावें।
6. शोध कार्य विशेषीकृत होना चाहिए।

निरंतर...4